वमिुक्त, खानाबदोश, अर्द्ध-खानाबदोश जनजातयिों के लयि आयोग के गठन को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

नीतआियोग ने सामाजकि न्याय और अधकिारता मंत्रालय द्वारा गठति पैनल के प्रस्ताव का समर्थन कयिा है, जसिमें वमिुक्त (Denotified-DNT), अर्द्ध-खानाबदोश (Semi-nomadic-SNT) तथा खानाबदोश जनजातयिों (Nomadic Tribes-NT) के लयि एक स्थायी कमीशन गठति करने की बात कही गई है| मंत्रालय को लखि अपने पत्र में नीतआियोग ने इन "सर्वाधकि वंचति" समुदायों के कई मुद्दों पर वचिार के लयि एक कार्यकारी समूह गठति करने की भी पेशकश की है।

प्रमुख बदिु

- इस साल मई में मंत्रालय ने नीतआियोग को लखिा था कि DNT, SNT और NT समुदायों को लेकर भकिु रामजी इदेट आयोग की रपिोर्ट पर अपना रुख स्पष्ट करें।
- जवाब में नीतआियोग ने अनुसूचति जातयिों, अनुसूचति जनजातयिों और अन्य पछिड़े वर्गों के लयि बने आयोग की तर्ज पर इन समुदायों के लयि भी स्थायी आयोग गठति करने की सफारिशि के साथ सहमत व्यिक्त की है।
- जनवरी 2018 में सामाजकि न्याय मंत्रालय को प्रस्तुत अपनी रपिोर्ट में इदेट आयोग ने कहा था कि इस तरह के स्थायी आयोग में इस समुदाय के एक प्रख्यात नेता के अलावा केंद्र सरकार का एक वरषि्ठ नौकरशाह, मानव वज्ञिानी और समाजशास्त्री होना चाहयि।
- मंत्रालय ने नीतआियोग को यह भी लखिा था कि क्या वह संयुक्त राष्ट्र सतत् वकिास लक्ष्यों (SDG) के अनुसार इन समुदायों के वकिास के लयि वज़िन 2030 तैयार करने हेतु एक कार्यकारी समूह स्थापति करेगा।
- थकि टैंक का पत्र समुदाय के सदस्यों जसिमें 90 प्रतशित या अधकि भूमहिीन हैं, के बच्चों के शक्षिण शुल्क को कम करने और वदि्यालयों में इन समुदायों के बच्चों के प्रवेश में राहत देने एवं भूमि तथा आवास का आसान आवंटन कयि जाने का समर्थन करता है|
- स्वतंत्रता के बाद स्थापति कई आयोगों द्वारा DNT, NT, SNT समुदायों को सबसे ज़्यादा हाशयि पर खड़े लोगों के रूप में पहचाना गया है।
- जनगणना के आँकड़ों में इस समुदाय को लंबे समय तक शामलि नहीं कयिा गया है। 2008 की रेन्के आयोग की रपिोर्ट में इनकी जनसंख्या 10-12 करोड़ के बीच होने का अनुमान लगाया गया था लेकनि इस आयोग की कसिी भी सफारिशि को लागू नहीं कयिा गया।
- नीतआियोग ने DNT, SNT और NT के लयि समर्पति राष्ट्रीय वति्त वकिास नगिम बनाने हेतु पैनल के सुझाव का भी समर्थन कयिा है।

DNT, SNT एवं NT

- DNT वे हैं जनि्हें ब्रटिशि सरकार द्वारा कानून के माध्यम से अपराधयिों के रूप में दर्ज कयिा गया था और उन्हें आज़ादी के बाद वमिुक्त जनजाति (Denotified Tribes) के रूप में माना गया था|
- NT नरिंतर भौगोलकि गतशिीलता बनाए रखती है, जबकि SNT वे लोग हैं जो गतशिील तो हैं लेकनि साल में कम-से-कम एक बार मुख्य रूप से व्यावसायकि कारणों से एक नश्चिति आवास पर लौट आते हैं।
- यद्यपि मानव संसाधन वकिास, वति्त, संस्कृत,ि ग्रामीण वकिास और स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने मंत्रालयों से संबंधति सफारिशिें भेजी हैं, शेष मंत्रालयों को को अभी जवाब देना बाकी है।

पैनल की प्रमुख सफारिशिें

- पैनल की कुछ प्रमुख सफारिशिों में अनुसूचति जातयिों और अनुसूचति जनजातयिों के बाद एक अलग तीसरी अनुसूची के तहत इन समुदायों को संवैधानकि संरक्षण प्रदान करना, उन्हें आरक्षण के लयि पात्र बनाना और अत्याचार नवारण अधनियिम के तहत इन समुदायों के लयि भी सुरक्षात्मक कवर को वस्तिारति करना शामलि है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/niti-aayog-nod-to-panel-for-denotified-semi-nomadic-nomadic-

tribes